



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 483]
No. 483]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 30, 1991/भाद्र 8, 1913
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 30, 1991/BHADRA 8, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1991

का. आ. 562 (अ) :-केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि ओ. एम. सी. एलाइज लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित उड़ीसा सरकार की एक कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ओ. एम. सी. हाउस, भुवनेश्वर-751001 में है, का मुख्य उद्देश्य सुनिश्चित करने के लिए और नीति, दक्षतापूर्ण प्रशासन और आर्थिक विस्तार में समन्वय सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए यह लोकहित में आवश्यक है कि उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित उड़ीसा सरकार की एक कंपनी है, और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ओ. एम. सी. हाउस, भुवनेश्वर-751001 उड़ीसा में है और उक्त ओ. एम. सी. एलाइज लिमिटेड, जो उड़ीसा सरकार की एक कंपनी है, का एक कंपनी में समामेलन किया जाना चाहिए;

और प्रस्तावित आदेश के प्रारूप की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों को, अर्थात् ओ. एम. सी. एलाइज लिमिटेड और उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड को आक्षेप/सुझाव आमंत्रित करने के लिए समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए भेजी गई थी।

और पूर्वोक्त कंपनियों के समामेलन की स्कीम दो समाचारपत्रों में प्रकाशित की गई थी और प्रारूप समामेलन स्कीम के बारे में ओ. एम. सी. एलाइज लिमिटेड अन्तरक कंपनी द्वारा प्रकाशित समाचारपत्र सूचनाओं के प्रत्युत्तर में महासचिव, एस आरसी के एम संघ कल्याण, क्रोमाइट खान, जिला कटक से एक आक्षेप प्राप्त हुआ था जिसमें इस आधार पर समामेलन का आक्षेप किया गया था कि ओ. एम. सी. एलाइज लिमिटेड दयनीय वित्तीय स्थिति में है और उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड के साथ इसका समामेलन उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड और उसके कर्मचारियों को भी संकट में डाल देगा और आक्षेप दोनों कंपनियों को निर्देशित किया गया था और दोनों में यह अभिवचन किया है कि समामेलन सभी सम्बद्ध कंपनियों के बेहतर हित में होगा और यह कि ओ. एम. सी. एलाइज लि. के पास उत्पादन में वृद्धि करने के लिए आबद्ध शक्ति मंत्रालय संस्थापित करने के लिए कोई साधन नहीं है और समामेलन के पश्चात् उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लि. आबद्ध डीजी सेटों को संस्थापित करने के

लिए और अन्य समन्वित क्रियाकलापों के लिए परामर्श दिवस लगा सकती है, यह कि सम्मेलन पर भावी संशोधनों में निहित रूप से सुधार होगा और इन परिस्थितियों में केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि एसप्रारसीकेएम संघ को आर्थिक रूप से मजबूत है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कंपनियों के सम्मेलन का उपाय करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम :- इस आदेश का संक्षिप्त नाम ओ एम सी एलाइज लिमिटेड और उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सम्मेलन) आदेश, 1991 है।

2. परिभाषाएं :- इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो :-

- (क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसे यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है,
- (ख) "विघटित कंपनी" से ओएमसी एलाइज लिमिटेड अभिप्रेत है, और
- (ग) "परिणामी कंपनी" से उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

3(क) 22 जून, 1988 को उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन की प्राधिकृत पूंजी 40,00,00,000 रुपए थी जिसमें प्रत्येक 100 रुपए के 40,00,000 साधारण अंश समाविष्ट थे और समादत्त अंश पूंजी 31,45,48.00 रुपए थी, जिसमें प्रत्येक 100 रुपए के 31,45,480 साधारण अंश समाविष्ट थे। 28 सितम्बर, 1937 को भैसर्स ओएमसी एलाइज लिमिटेड की प्राधिकृत अंश पूंजी 30,00,00,000 रुपए थी, जिसमें प्रत्येक 100 रुपए के 30,00,000 साधारण अंश समाविष्ट थे और 31-3-1990 को समादत्त अंश पूंजी 24,43,50,000 रुपए थी जिसमें प्रत्येक 100 रुपए के 24,43,500 साधारण अंश समाविष्ट थे।

3(ख) (1) अन्तरक कंपनी (ओ एम सी एलाइज लिमिटेड) अन्तरिती कंपनी (उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन लिमिटेड) की पूर्ण रूप से स्वामित्वाधीन समुपगंगी है।

(2) अन्तरक कंपनी की समादत्त अंश पूंजी का अन्तरिती कंपनी के विनिधान के मद्दे मुजरा किया जाएगा (अंश अन्तरक कंपनी में धारित हैं)।

(3) अन्तरिती कंपनी अन्तरक कंपनी में अपने द्वारा धारित अंश प्रमाणपत्रों को रद्द करने के लिए अन्तरक कंपनी को अत्यन्त कर देगी।

4. कंपनियों का सम्मेलन :-

(1) नियत दिन से हो, ओ एम सी लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जहां पर भी हैं जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियों चाहे जंगम हो या स्थावर और अन्य आस्तियां चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जैसे मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां, पट्टे, भू-शक्ति, अधिकार, शेयरों में विनिधान या अन्यथा व्यापार में स्टॉक, औजार, अभिवहन में माल, सभी प्रकार के धर्मों का ग्रन्थि, बहीखाता ऋण, बकाया धन, वसूलीय दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञापत्र और अनुज्ञापत्र, आयात और अन्य अनुज्ञापत्र, आशय-पत्र और हर प्रकार के सभी अधिकार और शक्तियां, किंतु ओ एम सी लिमिटेड के सभी बंधकों और प्रभावों और आदमान, और उसकी उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाली प्रत्याभूति और सभी अधिकारों के अधीन रहते

हों, और कार्यवाही या विवेक के बिना प्रवृत्त दिवस के अनुसार मसौदा दि उड़ीसा माइनिंग कार्पोरेशन लिमिटेड को अंतरित हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे या अन्तरिती और उसमें निहित हुए समझे जाएंगे।

2. चेखा के प्रयोजनों के लिए सम्मेलन, दोनों कंपनियों के 1 अप्रैल, 1986 को यथा विद्यमान संपरीक्षित लेखाओं और तुलन-पत्र के प्रति निर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् संबंधितों को एक सामान्य लेखा में पूरा किया जाएगा, विघटित कंपनी से किसी पश्चात्पूर्व तारीख को अपना अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी 1 अप्रैल, 1986 को यथा विद्यमान तुलन पत्र के अनुसार सभी आस्तियां और दायित्वों को ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् के सभी संबंधितों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

सापेक्षिकरण :- "विघटित कंपनी के उपक्रम" के अंतर्गत सभी, अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार, विशेषाधिकार और सभी संपत्ति, जंगम या स्थावर जिसके अंतर्गत नकद अतिशेष, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान और ऐसी संपत्ति में या उससे उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और अधिकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हों, और उससे संबंधित सभी बहियां, लेखे और दस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं, चाहे वे किसी भी प्रकार की उस समय हों, आते हैं।

5. संपत्ति की कुछ मवों का अन्तरण :- इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को यद्यपि विद्यमान कंपनी के सभी लाभ या हानि, या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित कंपनी के राजस्व आरक्षित, या घाटा या दोनों, यदि कोई हों, जब परिणामी कंपनी को अन्तरिती होते हैं, तो वे परिणामी कंपनी के यथास्थिति, लाभ या हानि और राजस्व आरक्षित या घाटे का भाग रूप होंगे।

6. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति :- इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं, विलेख, बंधपत्र, करार और अन्य लिखतें, चाहे वे किसी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनी एक पक्षकार हो, जो नियत दिन के ठीक पूर्व आस्तित्व में है या प्रभावी है, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बलशील और प्रभावी होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण रूप से प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा माना विघटित कंपनी के बजाय परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार थी।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :- यदि नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाहियां लंबित हैं तो वह विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अन्तरिती हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी उपस्थित नहीं होगी या उसे बंद नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किंतु ऐसा वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अग्रसर और प्रवर्तित की जा सकेगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती या अग्रसर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकेगी, या अग्रसर और प्रवर्तित की जा सकेगी, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

8. कराधान की बाबत उपबंध :- नियत दिन से पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिसके अंतर्गत संचित हानियां और अनामेतित अवशेष भी हैं) की बाबत

सभी कर परिणामी कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहने हुए संदेय होंगे जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात की जाएं।

9. विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध—विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विघटित कंपनी के निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बन जाएगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह, यदि वह आदेश नहीं किया गया होता, विघटित कंपनी के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

10. निदेशकों की हैसियत विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किए हुए हैं नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रह जाएगा।

11. भविष्य निधि की सदस्यता—विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियत दिन से मैसर्स उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत, उन्हीं दरों पर, जिन पर विघटित कंपनी उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में अभिदान कर रही थी, उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदान करेगा और करता रहेगा।

12. मैसर्स ओएमसी एलाइज लिमिटेड का विघटन—इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए नियत दिन से मैसर्स ओएमसी एलाइज लिमिटेड विघटित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसकी ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में न तो कोई दावा करेगा, न कोई मांग करेगा और न ही कोई कार्यवाही करेगा और न ही ऐसे प्रस्थान करेगा सिवाय वहां तक जहां तक इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

13. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण—केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार उड़ीसा को इस आदेश की एक प्रति भेजेगी जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, उड़ीसा परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, उड़ीसा अंतरक कंपनी से संबंधित अपने पास रजिस्ट्रीकृत अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज, मैसर्स उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड, के, जिसके साथ अंतरक कंपनी का समामेलन किया गया है, फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

14. परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद :—मैसर्स उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद जिस रूप में नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[सं. 24/23/90—सी एल-III]

पी. विजयराघवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1991

S.O. 562(E).—Whereas the Central Government is satisfied that the purposes of securing the principal object of OMC Alloys Limited, a Government of Orissa company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its Registered Office at O.M.C. House, Bhubaneswar-751001 and for the purposes of ensuring coordination in policy, efficient administration and economic expansion, it is essential in the public interest that the Orissa Mining Corporation Limited, a Government of Orissa Company, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its Registered Office at OMC House, Bhubaneswar-751001 Orissa and the said OMC Alloys Limited a Government of Orissa company should be amalgamated into a single company;

And whereas a copy of the proposed order was sent in draft to the Companies aforesaid, namely, the OMC Alloys Limited and the Orissa Mining Corporation Limited, for its publication in two newspapers inviting objections/suggestions.

And whereas, the scheme of amalgamation of the aforesaid companies was published in two Newspapers and in response to the newspaper notices published by the OMC Alloys Limited transferor company about the draft amalgamation scheme, an objection was received from General Secretary, SRCKM Sangh, Kalipani Chromite Mines, Distt. Cuttack objecting to the amalgamation on the ground that OMC Alloys Limited is in poor financial state and its amalgamation with the Orissa Mining Corporation Ltd. would jeopardise the latter also and its employees and the objection was referred to both the companies and both have pleaded that the amalgamation would be in the better interest of all concerned and that OMC Alloys Limited have no resources to instal captive power plant to increase production and after amalgamation that the Orissa Mining Corporation Limited can mobilise adequate funds for installing captive DG sets and for other coordinated activities that the prospects on amalgamation are bound to improve and whereas, in these circumstances, the Central Government is satisfied that the apprehensions of SICKM Sangh are misplaced;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of the section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government makes the following order to provide for the amalgamation of the said two companies namely :—

1. Short title.—This order may be called the OMC Alloys Limited and the Orissa Mining Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1991.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires.

- (a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the OMC Alloys Limited, and
- (c) "resulting company" means the Orissa Mining Corporation Limited.

3(a) The authorised capital of the Orissa Mining Corporation Limited as on 22nd June, 1988 was Rs. 40,00,000 comprising of 40,00,000 equity shares of Rs. 100 each and paid up share capital was Rs. 31,45,48,000/- comprising of 31,45,480 equity shares of Rs. 100/- each. The authorised Share Capital of M/s OMC Alloys Limited as on 28th September, 1987 was Rs. 30,00,000/- comprising of 30,00,000 equity shares of Rs. 100/- each and paid up share capital as on 31-3-1990 was Rs. 24,43,50,000/- comprising of 24,43,500 equity shares of Rs. 100/- each.

3(b)(i) The transferor company (OMC Alloys Limited) is a wholly owned subsidiary of the transferee company (Orissa Mining Corporation Limited).

(ii) the paid up share capital of the transferor company shall be set off against the investment of the transferee company (shares held in the transferor company).

(iii) The transferee company shall surrender to the transferor company for cancellation the share certificates held by it in the transferor company.

4. Amalgamation of the companies.—(1) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the OMC Alloys Limited, as where is, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature e.g. machinery and all fixed assets, leases, tenancy, rights, investments in shares or otherwise stock-in-trade workshop tools, goods-in-transit, advances of monies of all kinds, book-debts, outstanding monies recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees, and all rights whatsoever effecting the said properties of the OMC Alloys Limited shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in M/s. The Orissa Mining Corporation Limited in accordance with the law in force.

2. For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with references to the audited accounts and balance-sheets as on 1st April, 1986 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall takeover all assets and liabilities according to the balance sheet as on 1st April, 1986 and accepts full responsibility for all transaction thereafter.

Explanation.—The 'Undertaking of the dissolved Company' shall include all rights, power authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balance reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to or be in the possession of the dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. Transfer of Certain items of property.—For the purpose of this order, all the profits or losses, or both if any of the dissolved company as on the appointed day and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be of the resulting company.

6. Saving of contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company has been a party thereto.

7. Saving of legal proceeding.—If on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceedings or whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of dissolved company or of anything contained in this order. But the suit, prosecution appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company, if this order had not been made.

8. Provision with respect to Taxation.—All taxes in respect of profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under Income Tax Act 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. Provisions respecting existing Officers and other employees of the Dissolved Company.—Every whole-time officer or other employee (excluding the Directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company shall as from the appointed day, become an officer or other employee as the case may be of the resulting company and shall hold his

office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Position of Directors.—Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

11. Membership of the Provident Fund.—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employees Provident Fund under the scheme of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and M/s Orissa Mining Corporation Ltd. shall with effect from the appointed day of publication of this order in the official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

12. Dissolution of M/s OMC Alloys Limited.—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, M/s OMC Alloys Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims demand or proceedings against the dissolved company or against a director or an

officer thereof in his capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

13. Registration of the Order by the Registrar of Companies.—The Central Government, shall as soon as may be, after this order is notified in the official Gazette, send to the Registrar of Companies, Orissa a copy of his order, on receipt of which the Registrar of Companies, Orissa, shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter, the Registrar of Companies, Orissa shall forthwith include all documents registered recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of M/s Orissa Mining Corporation Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

14. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and Articles of Association of M/s Orissa Mining Corporation Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[No. 24/23/90-CL-III]

P. VIJAYARAGHVAN, Jt. Secy.